IAS BABA

इंटीग्रेटेड लर्निंग प्रोग्राम (ILP)-2023

Your Road to Mussoorie...

प्रारंभिक परीक्षा टेस्ट (SAMPLE)

www.iasbaba.com ilp@iasbaba.com 91691 91888

Q.1) भारत की संसद के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सी संसदीय समिति तकनीकी अनियमितताओं का पता लगाने के लिए न केवल कानूनी और औपचारिक दृष्टिकोण से, बल्कि लेकिन बर्बादी, नुकसान, भ्रष्टाचार, अपव्यय, अक्षमता और निरर्थक खर्चों के मामलों को सामने लाने के लिए अर्थव्यवस्था, विवेक, बुद्धिमत्ता और औचित्य की दृष्टि से भी जांच करती है।

a) प्राक्कलन समिति

b) लोक लेखा समिति

c) सार्वजनिक उपक्रमों पर समिति

d) सरकारी आश्वासनों पर समिति

Q.1) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
इस समिति की उत्पत्ति का पता 1921 में स्थापित स्थायी वित्तीय समिति से लगाया जा सकता है। स्वतंत्रता के बाद के युग में पहली प्राक्कलन समिति (Estimates Committee) का गठन 1950 में जॉन मथाई की सिफारिश पर किया गया था। प्रशासन में दक्षता और मितव्ययिता लाने के लिए वैकल्पिक नीतियों का सुझाव देना इसके कार्यों में से एक है।	यह समिति पहली बार 1921 में भारत सरकार अधिनियम 1919 के प्रावधानों के तहत स्थापित की गई थी और तब से अस्तित्व में है। समिति का कार्य भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट की जांच करना है, जिसे राष्ट्रपति द्वारा संसद के समक्ष रखा जाता है।
कथन 3	**कथन 4**
असत्य	**असत्य**
यह समिति 1964 में कृष्णा मेनन समिति की सिफारिश पर बनाई गई थी। समिति के कार्य हैं- सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिवेदनों और लेखाओं की जाँच करना, सार्वजनिक उपक्रमों पर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के प्रतिवेदनों की जाँच करना, सार्वजनिक उपक्रमों के मामलों की जाँच करना आदि।	यह समिति मंत्रियों द्वारा समय-समय पर दिए गए आश्वासनों, वादों और वचनों की सदन के पटल पर जांच करती है और रिपोर्ट करती है कि उन्हें किस हद तक पूरा किया गया है। लोकसभा में इसमें 15 सदस्य होते हैं और राज्यसभा में इसमें 10 सदस्य होते हैं। इसका गठन 1953 में किया गया था।

Q.2) निम्नलिखित में से किस विषय को संसद के केवल साधारण बहुमत की आवश्यकता है?

1. संविधान के अनुच्छेद 2 और 3 के तहत परिवर्तन।
2. संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व।
3. उच्चतम न्यायालय को अधिक अधिकारिता प्रदान करना।
4. राष्ट्रपति का चुनाव।

5. छठी अनुसूची के तहत परिवर्तन।

सही कथनों का चयन करें।

a) केवल 1, 2 और 5

b) केवल 1, 3 और 5

c) केवल 1 और 2

d) केवल 1 और 5

Q.2) Solution (b)

साधारण बहुमत	राज्यों की सहमति से संसद का विशेष बहुमत
	प्रक्रिया: संविधान के प्रावधान जो राज्य व्यवस्था के संघीय ढांचे से संबंधित हैं, संसद के विशेष बहुमत से और आधे राज्य विधानसभाओं की सहमति से साधारण बहुमत से भी संशोधित किए जा सकते हैं।
1. नए राज्यों का प्रवेश या स्थापना। 2. नए राज्यों का गठन और मौजूदा राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन। 3. राज्यों में विधान परिषदों का उन्मूलन या निर्माण। 4.दूसरी अनुसूची - राष्ट्रपति, राज्यपालों, अध्यक्षों, न्यायाधीशों आदि की परिलब्धियां, भत्ते, विशेषाधिकार आदि। 5. संसद में कोरम। 6. संसद सदस्यों के वेतन और भत्ते। 7. संसद में प्रक्रिया के नियम। 8. संसद, उसके सदस्यों और उसकी समितियों के विशेषाधिकार। 9. संसद में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग। 10. उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या। 11. उच्चतम न्यायालय को अधिक अधिकारिता प्रदान करना। 12. राजभाषा का प्रयोग। 13. नागरिकता—अधिग्रहण और समाप्ति। 14. संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनाव। 15. निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन। 16. केंद्र शासित प्रदेश। 17. पांचवीं अनुसूची-अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों का प्रशासन। 18. छठी अनुसूची- जनजातीय क्षेत्रों का प्रशासन।	1. राष्ट्रपति का चुनाव और उसकी प्रक्रिया। 2. संघ और राज्यों की कार्यकारी शक्ति का विस्तार। 3. सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय। 4. संघ और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण। 5. सातवीं अनुसूची की कोई सूची। 6. संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व। 7. संविधान और उसकी प्रक्रिया में संशोधन करने की संसद की शक्ति (अनुच्छेद 368 स्वयं)।

एक अन्य प्रकार का बहुमत "विशेष बहुमत" है अर्थात् प्रत्येक सदन की कुल सदस्यता का 50% और प्रत्येक सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के 2/3 बहुमत का बहुमत। इस तरह से जिन प्रावधानों में संशोधन किया जा सकता है उनमें शामिल हैं:

- मौलिक अधिकार
- राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत
- अन्य प्रावधान उपरोक्त दो प्रकारों के अंतर्गत नहीं आते हैं।

Q.3) ओपन मार्केट ऑपरेशन या खुला बाज़ार परिचालन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह बाजार में रुपये की तरलता की स्थिति को समायोजित करने के लिए आरबीआई का एक मात्रात्मक मौद्रिक नीति उपकरण है।
2. जब बाजार में अतिरिक्त तरलता होती है तो आरबीआई खुले बाजार के संचालन के माध्यम से सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदता है।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही हैं?

a) केवल 1

b) केवल 2

c) दोनों 1और 2

d) न तो 1 और न ही 2

Q.3) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन – 1	**कथन – 2**
सत्य	**असत्य**
ओपन मार्केट ऑपरेशंस, या ओएमओ, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा केंद्र की ओर से मुद्रा आपूर्ति और ब्याज दरों को सुव्यवस्थित करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री है। ओएमओ का उद्देश्य अर्थव्यवस्था में मुद्रा की आपूर्ति या मौजूदा तरलता को नियंत्रित करना है। मुद्रास्फीति की स्थिति के मामले में, आरबीआई एक संकुचित मौद्रिक नीति अपनाता है,	मंदी की प्रवृत्ति के बीच, आरबीआई बाजार में मुद्रा आपूर्ति को बढ़ावा देने और निवेश और उत्पादन के लिए पर्याप्त ऋण उपलब्धता सुनिश्चित करने का इच्छुक होता है। इसलिए, यह प्रतिभूतियों को खरीदता है, जिससे मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होती है।

यानी यह सरकारी प्रतिभूतियों को बेचता है और वित्तीय प्रवाह से अतिरिक्त धन को अवशोषित करता है।	

Q.4) भारत सरकार के अर्थोपाय अग्रिम (Ways and Means Advances) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक ऐसी सुविधा है जिसके माध्यम से केंद्र सरकार और राज्य सरकारें RBI से पैसा उधार ले सकती हैं।
2. यह केन्द्रीय बैंक द्वारा एक अस्थायी तरलता व्यवस्था है।
3. इस सुविधा के तहत केंद्र और राज्य आरबीआई से 120 दिनों तक का पैसा उधार ले सकते हैं।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही हैं?

a) केवल 1 और 2

b) केवल 2 और 3

c) केवल 1 और 3

d) 1, 2 और 3

Q.4) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन – 1	**कथन – 2**	**कथन – 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
अर्थोपाय अग्रिम (WMA) केंद्र और राज्यों दोनों के लिए RBI से उधार लेने की सुविधा है।	ये उधार विशुद्ध रूप से उनकी प्राप्तियों और व्यय के नकदी प्रवाह में अस्थायी असंतुलन से निपटने में मदद करने के लिए हैं।	केंद्रीय बैंक केंद्र और राज्य सरकारों को धन उधार देता है, जो "अग्रिम की तारीख से तीन महीने से अधिक नहीं" देय हैं। इस प्रकार केंद्र और राज्य अपनी तरलता असंतुलन से निपटने के लिए आरबीआई से 90 दिनों तक धन उधार ले सकते हैं।

अर्थोपाय अग्रिम (WMA) पर ब्याज दर RBI की रेपो दर है, जो मूल रूप से वह दर है जिस पर वह बैंकों को अल्पकालिक धन उधार (short-term money) देता है।

Q.5) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. 1939 में कांग्रेस मंत्री ने द्वितीय विश्व युद्ध में भारत की भागीदारी के संबंध में असहमति के विरोध में इस्तीफा दे दिया।
2. इस्तीफा देने वाले कांग्रेस मंत्रियों ने 1939 में इस्तीफे के बाद 'मुक्ति दिवस' मनाया था।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1

b) केवल 2

c) दोनों 1 और 2

d) न तो 1 और न ही 2

Q.5) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सही	**गलत**
वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो द्वारा भारतीय लोगों से परामर्श किए बिना द्वितीय विश्व युद्ध में भारत को संलग्न घोषित करने की कार्रवाई के विरोध में, कांग्रेस मंत्रालयों ने अक्टूबर और नवंबर 1939 में इस्तीफा दे दिया।	मुस्लिम लीग ने 22 दिसंबर 1939 को 'मुक्ति दिवस' मनाया जब कांग्रेस पार्टी के सदस्य जो केंद्र और प्रांतीय सरकारों का हिस्सा थे, ने भारतीयों से विधिवत परामर्श किए बिना भारत को द्वितीय विश्व युद्ध में एक सहभागीश बनाने के वायसराय के फैसले का विरोध करते हुए सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया।

Q.6) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू दोनों ही हिटलर और नाजियों के घोर आलोचक थे।
2. महात्मा गांधी ने द्वितीय विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भर्ती के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1

b) केवल 2

c) दोनों 1 और 2

d) न तो 1 और न ही 2

Q.6) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सही	**गलत**
सितंबर, 1939 में, कांग्रेस मंत्रिमंडलों के कार्यभार ग्रहण के दो वर्ष बाद द्वितीय विश्वयुद्ध छिड़ गया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू दोनों ही हिटलर और नाजियों के घोर आलोचक थे।	गांधी और अन्य लोगों ने युद्ध के प्रयासों को कांग्रेस का समर्थन देने का वादा किया, अगर अंग्रेजों ने युद्ध की समाप्ति के बाद भारत को स्वतंत्रता देने का वादा किया तो। प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था।

Q.7) पृथ्वी पर कार्यरत विभिन्न बलों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. अंतर्जात बल मुख्य रूप से भूमि निर्माणकारी बल हैं तथा बहिर्जात प्रक्रियाएं मुख्य रूप से भूमि के ऊपर घटित होने वाले बल हैं।
2. पटलविरुपण (Diastrophism) और अपक्षय (weathering) बहिर्जात भू-आकृति प्रक्रियाओं के उदाहरण हैं।

सही कोड चुनें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) दोनों 1 और 2
d) न तो 1 और न ही 2

Q.7) Solution (a)

पृथ्वी की भूपर्पटी गतिशील है। भूपर्पटी का निर्माण करने वाली पृथ्वी के भीतर से कार्य करने वाली आंतरिक शक्तियों में अंतर क्रस्ट की बाहरी सतह में भिन्नता के लिए उत्तरदायी है। पृथ्वी की सतह लगातार बाहरी बलों के अधीन रही है जो मूल रूप से ऊर्जा (सूर्य के प्रकाश) से प्रेरित होते हैं।

पृथ्वी की सतह को पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर उत्पन्न होने वाले बाह्य बलों द्वारा और पृथ्वी के भीतर से आंतरिक बलों द्वारा लगातार अधीन किया जा रहा है। बाह्य बलों को बहिर्जात बलों के रूप में जाना जाता है और आंतरिक बलों को अंतर्जात बलों के रूप में जाना जाता है। बहिर्जात बलों की क्रियाओं के परिणामस्वरूप पृथ्वी की सतह पर पर्वत/ऊंचाई के नीचे (गिरावट) और घाटियों/गड्ढों के भरने (गिरावट) का परिणाम होता है।

अपरदन के माध्यम से पृथ्वी की सतह की भिन्नताओं को कम करने की घटना को स्तरीकरण (gradation) के रूप में जाना जाता है।

Do you know?

अंतर्जात बल पृथ्वी की सतह के कुछ हिस्सों को लगातार ऊपर उठाते या निर्मित करते रहते हैं और इसलिए बहिर्जात प्रक्रियाएं पृथ्वी की सतह की भिन्नताओं को बराबर करने में विफल रहती हैं। इसलिए, जब तक बहिर्जात और अंतर्जात बलों की विरोधी क्रियाएं जारी रहती हैं, तब तक भिन्नताएं बनी रहती हैं। सामान्य शब्दों में, अंतर्जात बल मुख्य रूप से भूमि निर्माणकारी बल होते हैं और बहिर्जात प्रक्रियाएं मुख्य रूप से भूमि के ऊपर घटित होने वाले बल हैं।

पटलविरुपण (Diastrophism) और ज्वालामुखी अन्तर्जनीत भूआकृतिक प्रक्रियाएं हैं।

अपक्षय, सामूहिक अपव्यय, अपरदन और निक्षेपण बहिर्जात भूआकृतिक प्रक्रियाएं हैं।

Q.8) निम्नलिखित में से कौन भौतिक अपक्षय (physical weathering) का उदाहरण है?

a) जल-योजन (Hydration)
b) अपपर्णन/ अपस्तरण (Exfoliation)
c) कार्बनीकरण (Carbonation)
d) ऑक्सीकरण और अपचयन (Oxidation and reduction)

Q.8) Solution (b)

भौतिक या यांत्रिक अपक्षय प्रक्रियाएं कुछ लागू बलों पर निर्भर करती हैं। लागू बल हो सकते हैं:

- गुरुत्वाकर्षण बल जैसे अतिभारित दबाव, भार और shearing stress, exfoliation।
- तापमान परिवर्तन, क्रिस्टल वृद्धि या पशु गतिविधि के कारण विस्तार बल।
- पानी के दाब को गीला करने और सुखाने के चक्रों द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

इनमें से कई बल सतह पर और पृथ्वी की विभिन्न सामग्रियों के भीतर दोनों जगह लागू होते हैं, जिससे चट्टान टूट जाती है। अधिकांश भौतिक अपक्षय प्रक्रियाएं तापीय विस्तार और दाब मुक्त होने के कारण होती हैं।

ये प्रक्रियाएं छोटी और धीमी होती हैं लेकिन लगातार तनाव के कारण चट्टानों को बहुत नुकसान पहुंचा सकती हैं क्योंकि संकुचन और विस्तार की पुनरावृत्ति के कारण चट्टानें कमजोर होती हैं।

समाधान/ घोल, कार्बोनेशन, जलयोजन और ऑक्सीकरण और अपचयन रासायनिक अपक्षय प्रक्रियाओं के उदाहरण हैं।

Q.9) इकोटोन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह दो या अधिक विविध पारिस्थितिक तंत्रों के बीच जंक्शन का एक क्षेत्र है।
2. अच्छी तरह से विकसित इकोटोन की अनूठी विशेषता यह है कि उनमें कभी भी ऐसे जीव नहीं होते जो आसपास के समुदायों से पूरी तरह से अलग होते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके गलत कथन का चयन कीजिए?

a) केवल 1

b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.9) Solution (b)

मूलभूत जानकारी:

इकोटोन (Ecotone) - इकोटोन दो या अधिक विविध पारिस्थितिकी प्रणालियों के बीच जंक्शन का एक क्षेत्र है। उदाहरण के लिए, मैंग्रोव वन समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र के बीच एक इकोटोन का प्रतिनिधित्व करते हैं। अन्य उदाहरणों में घास के मैदान, मुहाना और नदी तट शामिल हैं।

इकोटोन की विशेषताएं

1. इकोटोन बहुत संकीर्ण या शायद काफी व्यापक हो सकता है।
2. उनके पास ऐसी स्थितियां हैं जो आसन्न पारिस्थितिक तंत्र के मध्यवर्ती हैं। इसलिए यह तनाव का एक क्षेत्र है।
3. यह रेखीय है क्योंकि यह एक आने वाले समुदाय की प्रजातियों की संरचना में प्रगतिशील वृद्धि और अन्य साथ-साथ रहने वाले समुदाय की प्रजातियों में कमी को दर्शाता है।
4. अच्छी तरह से विकसित इकोटोन में कुछ जीव शामिल होते हैं जो आसपास के समुदायों से पूरी तरह से अलग होते हैं।
5. कभी-कभी आसपास के समुदायों की तुलना में प्रजातियों की संख्या और कुछ प्रजातियों की जनसंख्या घनत्व इस क्षेत्र में बहुत अधिक होता है। इसे 'एज इफेक्ट' कहा जाता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
इकोटोन दो या अधिक विविध पारिस्थितिक तंत्रों का क्षेत्र हैं।	अच्छी तरह से विकसित इकोटोन में कुछ जीव होते हैं जो आसपास के समुदायों से पूरी तरह से अलग होते हैं।

Q.10) वन्य जीवों और वनस्पतियों (CITES) की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. CITES कन्वेंशन के पक्षकारों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है।

2. राष्ट्रीय विधान परियोजना (NLP) अपने दलों के विधायी प्रयासों को प्रोत्साहित करने और सहायता करने के लिए CITES प्राथमिक तंत्र है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (c)

मूलभूत जानकारी:

CITES (वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन) सरकारों के बीच एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली जानवरों और पौधों के नमूनों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उनके अस्तित्व के लिए खतरा न हो।

जिन राज्यों ने अधिवेशन में शामिल होने के लिए सहमति जताई है, उन्हें पार्टियों के नाम से जाना जाता है। हालांकि CITES राज्यों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है यह आम तौर पर स्वयं क्रियांवित नहीं है।

इसका मतलब यह है कि जब तक इस उद्देश्य के लिए विशिष्ट घरेलू उपाय नहीं अपनाए जाते तब तक इसे पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सकता है। इसलिए यह नितांत आवश्यक है कि CITES दलों के पास कन्वेंशन के सभी पहलुओं को लागू करने और लागू करने की अनुमति देने के लिए कानून हो।

राष्ट्रीय विधान परियोजना (NLP) पार्टियों के विधायी प्रयासों को प्रोत्साहित करने और उनकी सहायता करने के लिए कन्वेंशन का प्राथमिक तंत्र है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य

CITES कन्वेंशन के पक्षकारों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी है।	राष्ट्रीय विधान परियोजना (NLP) अपने दलों के विधायी प्रयासों को प्रोत्साहित करने और सहायता करने के लिए CITES प्राथमिक तंत्र है।